भारतीय तट एवं द्वीप समूह

Dr. Sabiha Khan

A.पश्चिमी तटीय मैदान:

- यह मैदान पश्चिम घाट के पश्चिम में स्थित है।
- यह तटीय मैदान कच्छ की खाड़ी से लेकर कुमारी अंतरीप तक विस्तृत है।
- इस मैदान की औसत चौड़ाई 64 किलोमीटर है।
- नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के मुहाने पर इनकी चौड़ाई अधिक है, जो कि लगभग 80 किलोमीटर है।
- इस तटीय मैदान में प्रवाहित होने वाली नदियां तीव्र ढाल के कारण तीव्र गामी एवं छोटी है।

- **इस मैदानी भाग के तीन उपखंड हैं जो इस प्रकार हैं :-**

1. गुजरात के पठारी एवं मैदानी प्रदेश :

- **कच्छ प्रायद्वीपीय मैदान:**
- **गुजरात के उत्तरी पश्चिमी भाग में कच्छ का रण स्थित है।**
- **कच्छ का रण के अंतर्गत लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है।**
- **कच्छ का मैदान नमकीन एवं रेतीला है।**
- **इस अर्ध-शुष्क मैदान मैं कहीं कहीं बालू चट्टानों के टीले दिखाई देते हैं।**

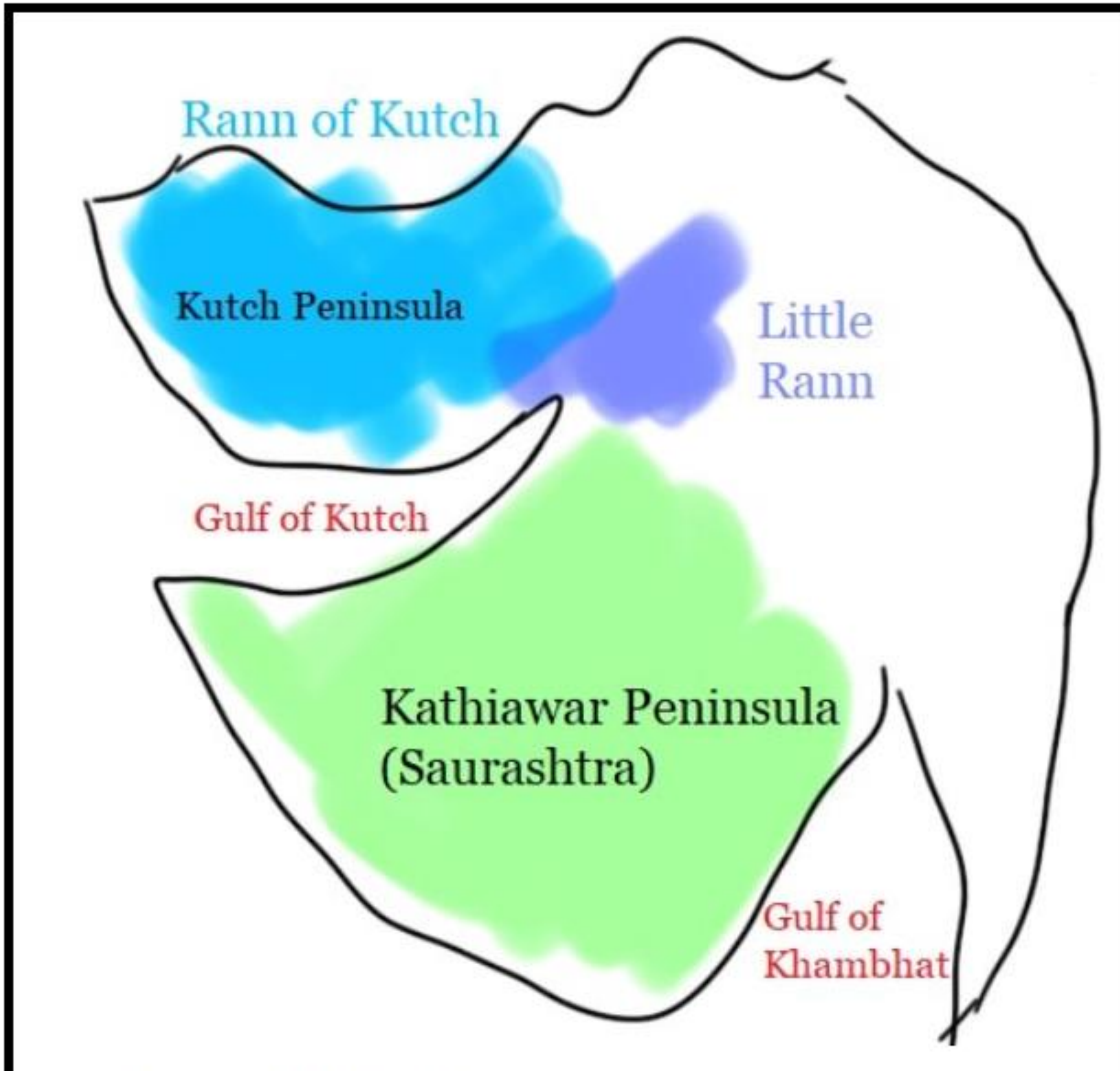

Source: PCSNOTES.in

- <u>काठियावाड़ के पठार</u>
- कच्छ के रण के दक्षिण में काठियावाड़ का पठार स्थित है।
- कच्छ के रण एवं काठियावाड़ के पठार, कच्छ खाड़ी के द्वारा पृथक होते हैं।
- इस भाग को सौराष्ट्र के नाम से भी जाना जाता है।
- यह गुजरात के कुल क्षेत्रफल के लगभग एक तिहाई भाग में विस्तृत है।

गुजरात का मैदान :

- **यह मैदान कच्छ एवं सौराष्ट्र के पूर्व में फैला हुआ है।**
- **इस मैदानी भाग में गुजरात के भीतरी मैदान एवं खंभात की खाड़ी का तटवर्ती क्षेत्र सम्मिलित है।**
- **इस मैदानी भाग का ढाल पश्चिम तथा दक्षिण-पश्चिम की ओर है।**
- **इस मैदान में प्रवाहित होने वाली प्रमुख नदियां- माही, साबरमती, नर्मदा और ताप्ती है।**
- **नदियां इस मैदान में प्रवाहित होती हुई अरब सागर में गिरती है।**
- **यह मैदानी भाग समुद्र तल से अधिक ऊंचा नहीं है, साबरमती के मुहाने पर तो केवल समुद्र तल से 12 मीटर ऊंचा है।**
- **तटीय क्षेत्रों में ज्वार का जल भर जाने से नमकीन दलदल पाए जाते हैं जबकि भीतरी भागों में उपजाऊ मृदा पाई जाती है।**

2. कोंकण तट :

- **यह तट दमन से लेकर गोवा तक लगभग 530 किलोमीटर लंबाई में फैले हुए हैं।**
- **यह मैदानी भाग मुंबई के उत्तर में दमन गंगा नदी से लेकर महाराष्ट्र एवं गोवा के बीच तेरेखोल नदी तक विस्तृत है।**
- **तट की चौड़ाई 50 किलोमीटर से लेकर 80 किलोमीटर के बीच है।**
- **मुंबई के निकट यह सर्वाधिक चौड़े हैं।**
- **कोंकण के पश्चिमी भाग लावा मृदा से बने हैं।**
- **यह मैदानी भूभाग मानसूनी नदियों द्वारा सिंचित है।**
- **घाट की अपरदित चट्टानों से बने उबड़ खाबड़ स्थलाकृति में लेटराइट पहाड़ियां मिलती है।**
- **यह मैदान भूभाग समुद्र के जलमग्न भाग है।**

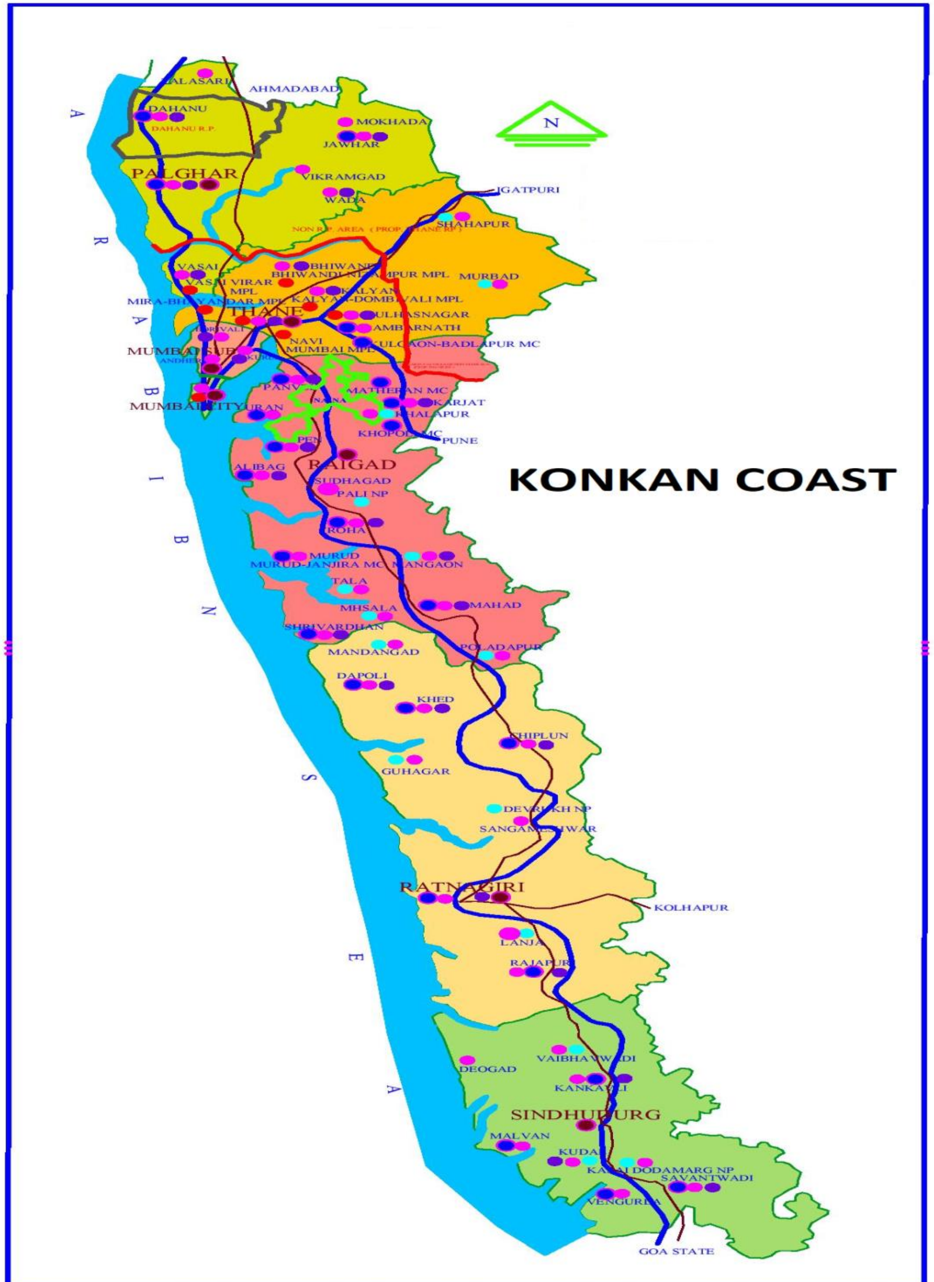

KONKAN COAST
N
ARABIAN SEA
AHMADABAD
DAHANU
DAHANU R.P.
MOKHADA
JAWHAR
PALGHAR
VIKRAMGAD
WADA
IGATPURI
SHAHAPUR
VASAI
MURBAD
THANE
AMBARNATH
NAVI MUMBAI MPL
MUMBAI CITY
KARJAT
KHALAPUR
PUNE
PEN
ALIBAG
RAIGAD
SUDHAGAD
PALI NP
ROHA
MURUD
MANGAON
TALA
MAHAD
MHSALA
SHRIVARDHAN
MANDANGAD
POLADAPUR
DAPOLI
KHED
CHIPLUN
GUHAGAR
RATNAGIRI
KOLHAPUR
LANJA
RAJAPUR
DEOGAD
VAIBHAVWADI
SINDHUDURG
MALVAN
KUDAL
SAVANTWADI
VENGURLA
GOA STATE

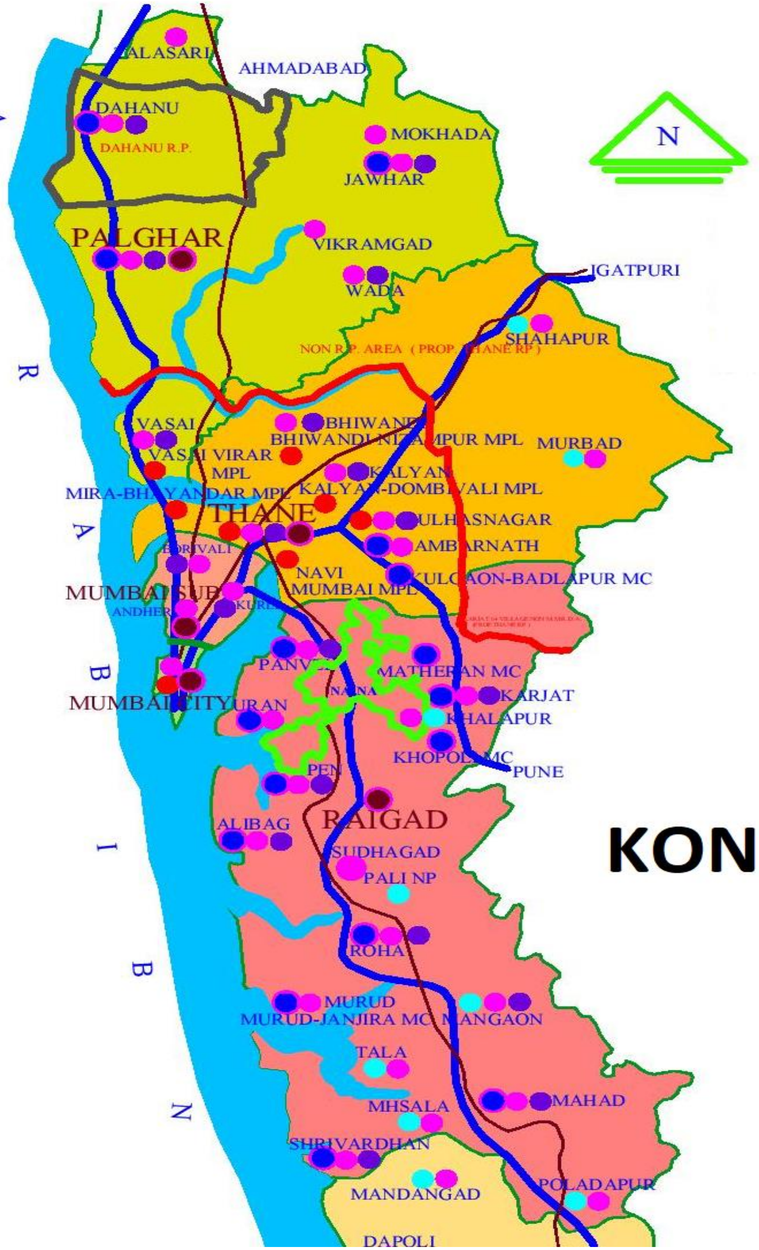

DALASARI
AHMADABAD
DAHANU
DAHANU R.P.
MOKHADA
JAWHAR
N
PALGHAR
VIKRAMGAD
WADA
IGATPURI
SHAHAPUR
NON R.P. AREA (PROP. THANE RP)
VASAI
BHIWANDI
BHIWANDI-NIZAMPUR MPL
MURBAD
VASAI VIRAR MPL
KALYAN
KALYAN-DOMBIVALI MPL
MIRA-BHAYANDAR MPL
THANE
ULHASNAGAR
AMBARNATH
BORIVALI
NAVI MUMBAI MPL
KULGAON-BADLAPUR MC
MUMBAI SUB
ANDHERI
KURLA
PANVEL
MATHERAN MC
NAINA
KARJAT
MUMBAI CITY
URAN
KHALAPUR
KHOPOLI MC
PUNE
PEN
RAIGAD
ALIBAG
SUDHAGAD
PALI NP
ROHA
MURUD
MURUD-JANJIRA MC
MANGAON
TALA
MAHAD
MHSALA
SHRIVARDHAN
MANDANGAD
POLADAPUR
DAPOLI
A
R
A
B
I
A
N

KONKAN C

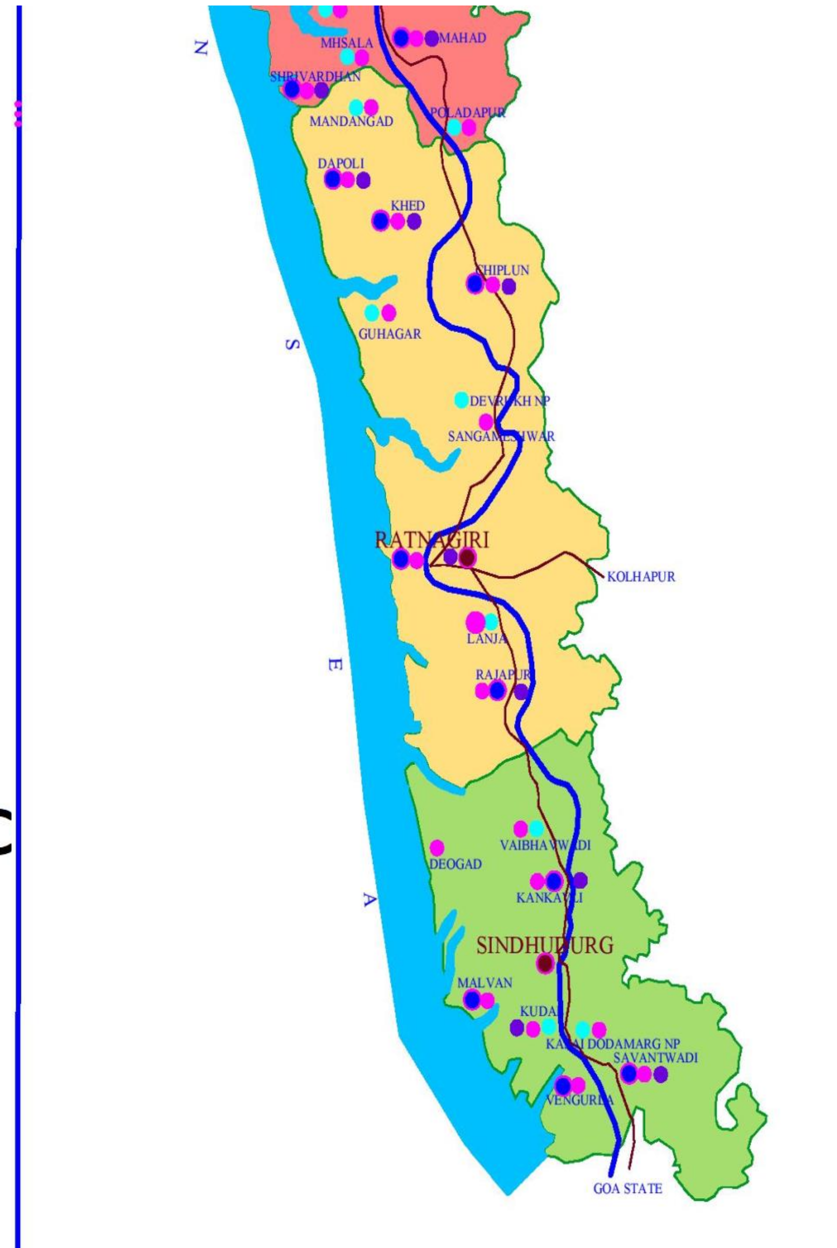

MHSALA
MAHAD
SHRIVARDHAN
MANDANGAD
POLADAPUR
DAPOLI
KHED
CHIPLUN
GUHAGAR
DEVRUKH NP
SANGAMESHWAR
RATNAGIRI
KOLHAPUR
LANJA
RAJAPUR
VAIBHAVWADI
DEOGAD
KANKAVLI
SINDHUDURG
MALVAN
KUDAL
KASAI DODAMARG NP
SAVANTWADI
VENGURLA
GOA STATE
N
S
E
A

3. मालाबार तट :

- इस तटीय मैदान के अंतर्गत कर्नाटक के तटीय भाग एवं केरला के अधिकांश तटीय भाग सम्मिलित है।
- यह मैदानी भाग प्राचीन रूपांतरित चट्टानों द्वारा निर्मित है।
- यह तटीय भाग समुद्र से उठे हुए भूभाग हैं।
- इस मैदान का तटीय भाग अत्यंत कटा फटा है।
- पश्चिमी घाट से निकलने वाली अनेक छोटी छोटी तीव्रगामी नदियां कांप के मैदानों का निर्माण करती है।
- तटीय भाग में रेतीले टीले पाए जाते हैं, जो कि नदी जल को समुद्र में जाने से रोकते हैं एवं छोटी-छोटी झीलो का निर्माण करते हैं।
- भाग में चावल एवं गरम मसालों की खेती की जाती है।

Kasaragod
Kannur
Wayanad
Kozhikode
Malappuram
Palakkad
Thrissur
MALABAR
COAST
Ernakulam
Idukki
Kottayam
Alappuzha
Pathanamthitta
Kollam
Thiruvananthapuram

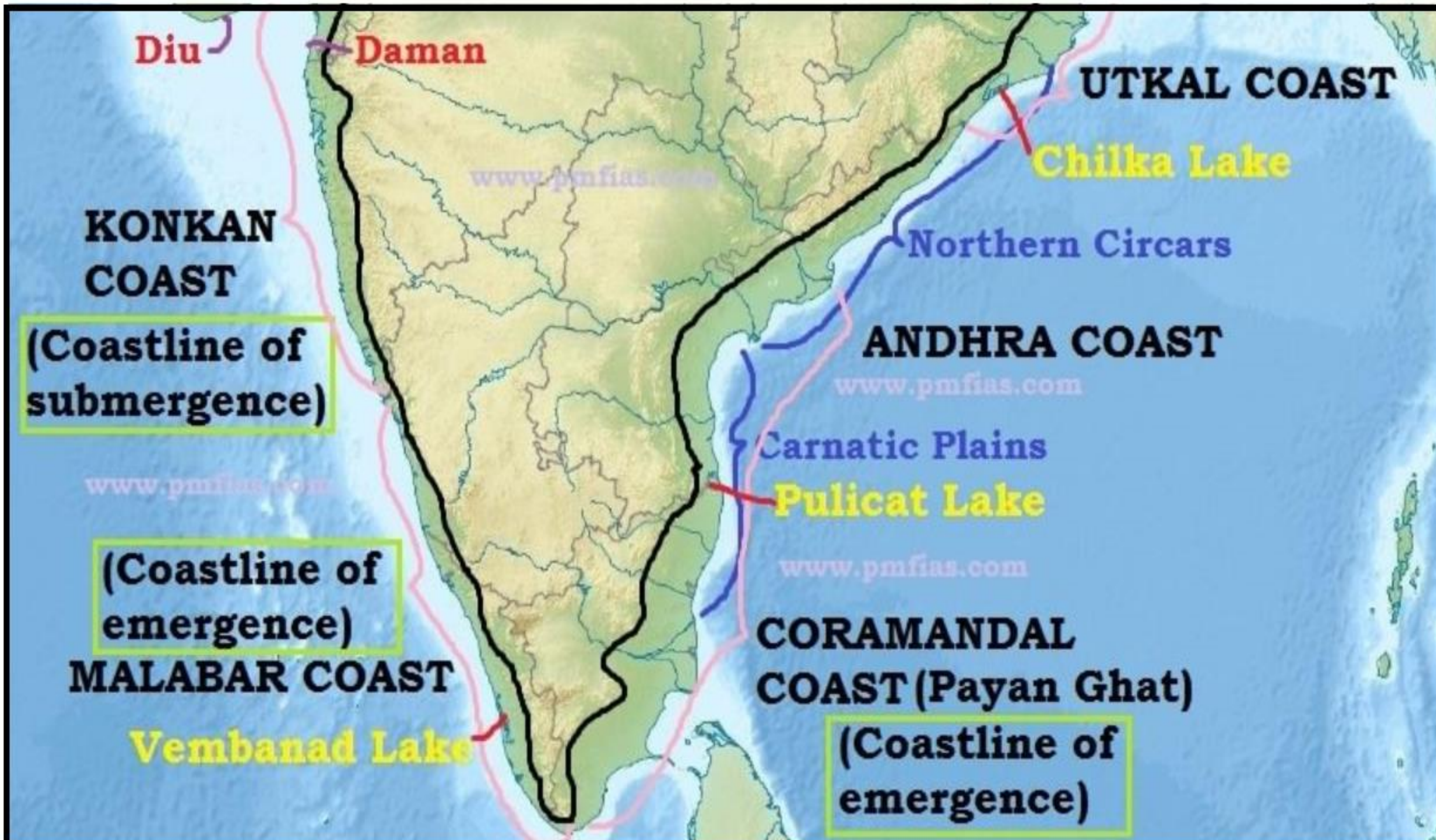

Source: www.pmfias.com

B. पूर्वी तटीय मैदान :

- यह तटीय मैदान स्वर्णरेखा नदी से कुमारी अंतरीप तक फैले हुए हैं।
- यह पश्चिमी तट की अपेक्षा अधिक चौड़े है।
- भू आकृतिक दृष्टि से इस भूभाग को दो स्पष्ट भागों में विभक्त किया जा सकता है –
- पहला तटीय भाग जिसमें महानदी, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों के डेल्टा, निक्षेपित बालू श्रृंखलाएं एवं पुलीकट एवं चिल्का जैसी छिछली झीलें मिलती है।
- दूसरा भीतरी भाग जो कि उच्च भागों के अनावरण से बना अवशिष्ट मैदान है तथा जहां कांप मृदा पाई जाती है।

- संपूर्ण पूर्वी तट को कोरोमंडल तथा उत्तरी सरकार तट कहते हैं।
- इन को तीन भागों में विभक्त किया गया है :-

1. उत्कल का मैदान :

- यह मैदान उड़ीसा तट के सहारे सारे लगभग 400 किलोमीटर की लंबाई में फैला हुआ है।
- तटरेखा सीधी एवं सपाट है
- महानदी के डेल्टा के कारण यह मैदान अधिक चौड़े हैं जहां पर बालू के अनेक टीले पाए जाते हैं।
- डेल्टा के दक्षिण में चिल्का झील स्थित है।
- झील के पूर्व एवं उत्तर में रेत के निक्षेप तथा पश्चिम व दक्षिण में पहाड़ी चट्टाने है।
- अनेक छोटी छोटी नदियां पूर्वी घाट से निकलकर इस मैदानी क्षेत्र में प्रवाहित होती है और समुद्र में मिल जाती है।
- इन नदी मुहानो पर बंदरगाह का विकास हुआ है।
- डेल्टा एवं तटीय भाग में चावल वे जूट पैदा किया जाता है।

2. आंध्र का मैदान :

- **यह मैदान आंध्र प्रदेश के तटीय भाग पर फैला हुआ है।**
- **उत्तरी सरकार तट, गोदावरी एवं कृष्णा नदी के डेल्टा के मध्य स्थित है।**
- **गोदावरी एवं कृष्णा नदी डेल्टा के बीच स्वच्छ मीठे पानी की झील कोलेरू स्थित है।**
- **डेल्टा क्षेत्र लगभग एक 160 किलोमीटर लंबाई में विस्तृत है एवं एक दूसरे के निकट हैं।**
- **विशाखापट्टनम एवं मछलीपट्टनम इस तट के प्रमुख बंदरगाह है।**

3. तमिलनाडु का मैदान:

- इस भाग को कोरोमंडल तट के नाम से भी जाना जाता है।
- यह मैदान तमिलनाडु व पुदुचेरी के तटीय प्रदेश में फैला हुआ है
- इसका विस्तार चेन्नई के उत्तर में पुलिकट झील से लेकर दक्षिण में कुमारी अंतरीप तक 675 किलोमीटर की लंबाई में फैला है।
- इस मैदान की औसत चौड़ाई लगभग 100 किलोमीटर है, कावेरी नदी के किनारे यह 130 किलोमीटर की चौड़ाई तक फैला है।
- इस प्रदेश की प्रमुख नदियां पेलार, पेनार व चैयार है ।
- मैदान के उत्तरी किनारे पर पुलिकट झील स्थित है जो कि एक लैगून झील है।
- श्री हरी कोटा द्वीप (सतीश धवन स्पेस सेंटर)पुलिकट झील के निकट स्थित एक द्वीप है।

धन्यवाद

Disclaimer: The content displayed in the PPT has been taken from variety of different websites and book sources. This study material has been created for the academic benefits of the students alone and I do not seek any personal advantage out of it